बारिशसे दर्जनों मोहल्लोंमें बिजली-पानीका संकट

तारोंके टूटने एवं केबिलमें आग लगनेसे बाधित रही आपूर्ति

नगर में भोर में होने वाली बारिश के चलते बिजली पानी का संकट बन गया। कहीं तार टूटने और केबिल में आग लगने से बिजली संकट बनता रहा है। शहर पश्चिमी के बड़े हिस्सें में सबसे अधिक बिजली संकट बना रहा है। कसारी मसारी, बमरौली विद्युत उपकेन्द्रों से जुड़े इलाकों कालिन्दीपुरम, राजरूपपुर, कसारी मसारी और बमरौली के ओल्ड खुसरोबाग विद्युत उपकेन्द्र से जुड़े बनर्जी फीडर, नवदुर्गा फीडर से जुड़े इलाकों में केबिल फाल्ट के चलते बिजली आपूर्ति ठप होने से पेयजल की समस्या हो गयी। काफी देर तक बिजली नहीं आने पर लोगों ने विद्युत उपकेन्द्र पर सम्पर्क किया तो कर्मचारियों ने बताया कि तारों पर पेड़ की डालियों के टूटकर गिरने से बिजली आपूर्ति बाधित हुई है, मरम्मत का कार्य चल रहा है। जल्द बिजली आपूर्ति सामान्य हो जायेगी।

सुबह भी बारिश के चलते कई मोहल्लों में केबिल फाल्ट के चलते बिजली आपूर्ति बाधित होने पर निरन्तर बारिश के चलते बिजली कर्मचारियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। इधर जैसे ही मरम्मत का कार्य शुरू करते बारिश के चलते काम बंद करना पड़ता रहा है। बारिश से केबिल फाल्ट की समस्या बढ़ गयी है। बिजली आपूर्ति करने वाली भूमिगत केबिल में दोपहर को फाल्ट आ गया। इससे विद्युत उपकेन्द्र के सभी फीडरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गयी। घंटे भर बाद मरम्मत के बाद बिजली आपूर्ति बहाल होने पर लोगों को बिजली संकट से राहत मिल सकी। शाम को खुसरोबाग से जुड़े इलाके खुल्दाबाद लकड़मंडी के पास एबीसी बिजली लाइन में अचानक आग लग गयी। लोगों ने केबिल आग लगने की घटना के बाद खुसरोबाग विद्युत उपकेन्द्र पर तत्काल सूचना दिया। जिसके बाद मौके पर पहुंचकर बिजली कर्मचारियों ने बिजली लाइनों की मरम्मत कर बिजली आपूर्ति बहाल किया। इससे घंटे भर बिजली की समस्या बनी रही है। वहीं शाम को एक बार फिर बारिश के दौरान म्योहाल, सिविल लाइंस, कटरा, कचहरी के आस पास बिजली के आने जाने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई मोहल्लों में एक फेज की लाइन में फाल्ट आनेसे इलाकेको बिजली आपूर्ति करने वाले ट्यूबवेल नहीं चल सके।

पूरे दिन बिजली लाइनें करती रहीं ट्रिप

नगर में अलग अलग हिस्सों में भोर में बिजली संकट आने पर बिजली कर्मचारियों ने मरम्मत कर बिजली आपूर्ति बहाल किया। बारिश का क्रम निरंतर चलने से पूरे दिन दर्जनों मोहल्लों सलोरी, गोविंदपुर, तेलियरगंज, छोटा बघाड़ा, सोहबतियाबाग, अल्लापुर, अलोपीबाग में बिजली आपूर्ति बाधित रही है। इसके अलावा बैरहाना, रामबाग, गऊघाट, मुट्ठीगंज, कटघर, कीडगंज, कल्याणी देवी, अतरसुइया, रानीमंडी में बिजली लाइनों के टिपिंग के चलते लोग परेशान रहे है। बारिश के चलते बिजली लाइनों को मरम्मत करने में दिक्कत का सामना करना पड़ा।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य आज वंदे भारत ट्रेनके कार्यक्रममें होंगे शामिल

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को प्रयागराज के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह दोपहर १:४५ बजे लखनऊ स्थित सात कालिदास मार्ग से रवाना होकर २:४५ बजे बमरौली एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से सड़क मार्ग से ३:२५ बजे रामबाग रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। यहां वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस एवं दो नई मेमू ट्रेनों के संचालन के लिए आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद शाम ४:३० बजे सर्किट हाउस पहुंचकर भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। इसके बाद स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। शाम छह बजे प्रयागराज जंक्शन पर वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत ट्रेन के संचालन संबंधी कार्यक्रम में शामिल होंगे। शाम ७:१५ बजे बमरौली एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

जलजीवन मिशनके कार्योंकी धीमी प्रगतिपर डीएम नाराज

एल एंड टी के प्रोजेक्ट मैनेजरको दी कड़ी चेतावनी गुणवत्ताके साथ शीघ्र पूरा करायें कार्य

गांवों में जल जीवन मिशन तहत ग्रामीणों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए कराये जा रहे कार्यों की रफ्तार काफी धीमी है। इस संबंध में डीएम मनीष कुमार वर्मा इने नाराजगी व्यक्त की है और कार्य करा रही कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर को कड़ी चेतावनी दी है कि गुणवत्ता के साथ सारे कार्य जल्द पूरा कराये।।

सीडीओ कक्ष में शुक्रवार को डीएम जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैनपावर की संख्या को बढ़ाते हुए कार्य को तीव्रगति से पूर्ण करायें। कार्यदायी संस्था को कड़ी हिदायत दी कि जिन ओवरहेड टैंकों के निर्माण का कार्य अभी तक प्रारम्भ नहीं हुआ है, वहां पर कार्य को तत्काल प्रारम्भ कराते हुए कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करायें। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा ग्रामों में जलापूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए कहा। कहा कि जहां ट्यूबवेल लगाने का कार्य पूर्ण हो गया है वहां सीधे पाइप के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित करें। डीएम ने कहा कि कार्य में शिथिलता किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरफेस योजना में कार्यरत गजा इंजीनियरिंग एवं वीपीआपीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया किमाह नवंबर तक सम्बंधित एजेंसियों के द्वारा क्रमशः ३४ एवं २० ओवरहेड टैंक पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने तीनों कार्यदायी संस्थाओं को सख्त चेतावनी दी कि रोड रेस्टोरेशन के कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए और गुणवत्ता के साथ रोड रेस्टोरेशन के कार्य को पूर्ण कराये। गजा इंजीनियरिंग एवं वीपीआरपीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर को यह भी निर्देश दिया कि दिसंबर माह तक जहां ओवरहेड टैंक पूर्ण हो गया है वहां रेगुलर वाटर सप्लाई प्रत्येक दशा में सुनिश्चित करें।

अधिशाषी अभियंताके खिलाफ पत्र लिखनेका निर्देश

समीक्षा बैठक में बताया गया कि वर्ष २०२४ में ही पैसा जमा करने के बावजूद भी विद्युत विभाग के द्वारा विद्यत कनेक्शन न दिए जाने के कारण कार्य प्रभावित हो रहा है, इस पर डीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बंधित विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता के विरूद्ध पत्र प्रेषित करने के लिए सीडीओ को निर्देशित किया है साथ ही साथ उन्होंने तत्काल विद्युत कनेक्शन देने के निर्देश दिए। जिला पंचायतराज अधिकारी को निर्देशित किया गया की जल सारथी एप के लक्ष्य की पूर्ति कराना सुनिश्चित करें। डीएम ने थर्ड पार्टी से जल जीवन मिशन के कार्यों की नियमित रूप से जांच कराने तथा अगली बैठक में आख्या से अवगत कराने के लिए कहा। डीएम ने कहा कि जहां पर भी ओवर हेड टैंक बनाये जाने के लिए जमीन की उपलब्धता अभी तक नहीं हो पायी है, वहां पर सम्बंधित एसडीएम से समन्वय बनाते हुए यथाशीघ्र जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए कार्य को प्रारम्भ करायें।

मेगा ट्रैफिक एवं पावर ब्लाकके कारण कुछ गाड़ियां निरस्त

रेल प्रशासन द्वारा आसनसोल मंडल के अंतर्गत दुर्गापुर-ओंडाग्राम खंड में मेगा ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनों को निरस्त करने तथा कुछ ट्रेनों को मार्ग परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है। जिन गाड़ियों का निरस्तीकरण किया गया है उनमें गाड़ी संख्या १२९८८ अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस २२ दिसम्बर को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या१२९८७ सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस २३ दिसंबर को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या १२३१९ कोलकाता-ग्वालियर एक्सप्रेसदिनांक २३ दिसंबर को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या १२३२० ग्वालियर-कोलकाता एक्सप्रेसदिनांक २४ दिसंबर को निरस्त रहेगी। इसी क्रम में जिन गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन किया गया है उनमें गाड़ी संख्या १२३८१ हावड़ा-शकूरबस्ती एक्सप्रेस २३ दिसंबर को निर्धारित मार्ग खाना-आसनसोल जंक्शन-सीतारामपुर-प्रधानखूंटा-घोरपरन-गया जं.-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के स्थान पर परिवर्तित मार्ग खाना जंक्शन-सैंथिया जंक्शन-रामपुरहाट-गुमानी-भागलपुर जंक्शन-किउल जंक्शन-गया जंक्शन-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के रास्ते से संचालित किया जाएगा। गाड़ी संख्या १२३८२ शकूरबस्ती -हावड़ा एक्सप्रेस २२ दिसंबर को निर्धारित मार्ग पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-गया जंक्शन-धनबाद जंक्शन-प्रधानखूंटा-सीतारामपुर-खाना जंक्शन के स्थान पर परिवर्तित मार्ग पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-गया जंक्शन-किउल जंक्शन-भागलपुर जंक्शन-गुमानी-रामपुरहाट जंक्शन-सैंथिया जंक्शन-खाना जंक्शन के रास्ते से संचालित किया जाएगा। गाड़ी संख्या १२२६० बीकानेर जंक्शन-सियालदह एक्सप्रेस २२ दिसंबर को निर्धारित मार्ग पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-गया जंक्शन-धनबाद जंक्शन-प्रधानखूंटा-सीतारामपुर-खाना जंक्शन के स्थान पर परिवर्तित मार्ग पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-गया जंक्शन-किउल जंक्शन-भागलपुर जंक्शन-गुमानी-रामपुरहाट जंक्शन-सैंथिया जंक्शन-खाना जंक्शन के रास्ते से संचालित किया जाएगा।

नर्सिंग कालेजके गेटपर जलजमावसे छात्र एवं शिक्षक परेशान

कर्मचारियोंके आवासोंके पास गंदगीसे संक्रामक बीमारियोंका खतरा



स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल परिसर स्थित आवासों के समीप फैली गंदगी से स्वास्थ्यकर्मी बेहद परेशान है। नर्सिंग कालेज के पास सीवर लाइन लंबे समय क्षतिग्रस्त होने के कारण कालेज के गेट पर हर समय दूषित एवं बदबूदार पानी भरा रहता है। इस जलजमाव के कारण कालेज आने -जाने वाले छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालात इतने खराब हैं कि कालेज के गेट से लेकर निर्माणाधीन चिल्ड्रेन अस्पताल के पास तक नाली का पानी सड़कों पर बह रहा है। वहीं आवासों के पास की साफ-सफाई न होने से संक्रमक बीमारी फैलने का खतरा बढ़ गया है।सबसे अधिक गंदगी गर्ल्स हास्टल के पास बने कर्मचारियों के आवास के पास है।

बिजली चोरीमें दो दर्जन उपभोक्ताओंको भेजी नोटिस

जांचमें मीटरोंमें मिली थी खामियां

प्रवर्तन दल के साथ बिजली विभाग की टीम ने खुसरोबाग विद्युत उपकेन्द्र से जुड़े इलाकों व रसूलाबाग और धूमनगंज क्षेत्र में कई घरों में बिजली चोरी के मामले पकड़ कर कारवाई किया था। जांच के दौरान खुसरोबाग क्षेत्र में २४ घरों में बिजली के मीटर में सेंधमारी के मामले में पकड़े गये थे। जिसके बाद अब दो दर्जन उपभोक्ताओं को शमन शुल्क की नोटिस भेजी जा रही है। शमन शुल्की निर्धारित धनराशि न जमा करने पर कनेक्शन काटने की कारवाई की जायेगी। रसूलाबाद में एक घर में जांच टीम ने केबिल को मीटर से पहले कटकर उसमें अतिरिक्त तार जोड़ा रहा है। मीटर बाईपास कर पांच किलोवाट से अधिक बिजली का अवैध इस्तेमाल पाया गया। वहीं न्यू मेंहदौरी कालोनी में एक ही घर में तीन परिवार के लोग एलटी लाइन में सीधे कटियामारी कर बिजली का इस्तेमाल करते पाये गये। धूमनगंज में भी जांच अभियान के दौरान तीन घरों में बिजली चोरी का मामला पकड़ा गया। जिसके बाद सभी आरोपितों के खिलाफ बिजली थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। इधर बिजली विभाग की सख्ती के बाद से दिन में कटियामारी पर पूरी तरह से रोक लग गयी है। लेकिन रात होते ही नगर के विद्युत उपकेन्द्रों से जुड़े इलाकों में बिजली की एलटी लाइन पर कटियामारी कर जगह जगह साकेट बनाकर ई-रिक्शा चार्जिंग की जाती है। ऐसी शिकायत मिलने के बाद बिजली विभाग की टीम ने प्रवर्तन दल के पुलिस बल के साथ भोर में औचक छापेमारी की कारवाई कर रहे हैं। बिजली विभाग के अधिकारियों के मुताबिक प्रत्येक विद्युत उपकेन्द्र के जुड़े इलाकों में निरंतर निगरानी की जा रही है। बिजली चोरी में लिप्त पाये गये लोगों के खिलाफ सख्त कारवाई के निर्देश दिये गये हैं। बिजली विभाग ने लाइनलास वाले फीडरों को चिन्हित कर जांच अभियान तेज कर दिया है। जांच के दौरान बड़े पैमाने पर मीटर में बाईपास कर मीटर की रफ्तार की यूनिट पर रोक लगाकर मीटर में सेंधमारी करते हुए हजारों यूनिट की बिजली विभाग को चपत लगायी जा रही है।

गर्म होती धरतीसे सिकुड़ रहे हिमालयके हिमनद- डा. सूरज

इविवि में जेएनयू के विशेषज्ञने जलवायु परिवर्तनके खतरोंसे कराया रूबरू

जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालयी क्षेत्र में तापमान बढ़ रहा है। इसका सीधा असर हिमनदों पर पड़ रहा है और वे लगातार सिकुड़ रहे हैं। हिमनद झीलों की स्थिति और उनकी गतिशीलता में भी बदलाव आ रहा है। शुक्रवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में आयोजित व्याख्यान में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के विशेषज्ञ डॉ. सूरज मल ने इन पर्यावरणीय बदलावों और उनसे जुड़ी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की।

भूगोल व्याख्यान श्रृंखला के सातवें सत्र में डॉ. सूरज मल ने 'हिमालयी हिममंडल : हम कहां से आए हैं और भविष्य की दिशा क्या है?' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हिमालय में हो रहे पर्यावरणीय परिवर्तनों को बेहतर ढंग से समझने के लिए शोध की कमियों को दूर करना होगा। इसके लिए वैज्ञानिक संस्थानों और शोधकर्ताओं के बीच सहयोग मजबूत करने की जरूरत है उन्होंने विद्यार्थियों को भूगोल विषय में अध्यापन और प्रशासनिक सेवाओं के अलावा रोजगार के अन्य अवसरों की भी जानकारी दी। बताया कि इस विषय में कई ऐसे व्यावसायिक क्षेत्र हैं, जिनमें विद्यार्थी अपना करियर बना सकते हैं। कार्यक्रम कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव के संरक्षण में हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. एआर सिद्दीकी संयोजक और प्रो. अश्वजीत चौधरी सह-संयोजक रहे। सत्र का समन्वयन डॉ. कोयल पॉल ने किया। अंत में उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित किया।

एजी आफिसके सात कर्मचारी सेवानिवत्त



महालेखाकार कार्यालय में माह के अन्तिम दिन शुक्रवार को सात कर्मचारी सेवानिवृत हो गये। इन कर्मचारियों का विदाई समारोह एजी आफिस के गेट पर हुआ तो अधीनस्थ लोगों ने भावभीनी विदाई दी। समारोह के दौरान आलोक जैन वरिष्ठ लेखाधिकारी, शिव नरेश गुप्ता सहायक पर्यवेक्षक, श्रीराम वर्मा सहायक पर्यवेक्षक, रमेश कुमार पर्यवेक्षक, श्याम किशोर पर्यवेक्षक, आमोद गर्ग वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, योगेश कुमार सिंह सहायक पर्यवेक्षक को फूल माला एवं अंग वस्त्रम शाल ओढ़ाकर विदाई दी गयी। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय लोक सेवार्थ संघटन के संयोजक ओम प्रकाश गुप्ता ने किया। मनोज कुमार श्रीवास्तव पूर्व अध्यक्ष, अजय कृष्ण मिश्रा, विजय कुमार श्रीवास्तव, कृपाशंकर सिंह, कुलदीप कुमार, अनूप कुमार टंडन, आत्म प्रकाश सिंह, विनोद कुमार श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, ललित श्रीवास्तव, प्रतिभा श्रीवास्तव, सुबोध चंद्र प्रजापति, राम मिलन, माता प्रसाद, विजय कुमार नैयर, बलवंत राय मदान, सोहन लाल, राजेश गोयल, सुनील कुमार, फूल चंद्र,वीरेंद्र दयाल, विपिन यादव, रंजीत कुमार आदि रहे।

संरक्षा, गतिशीलता एवं यात्री सुविधाओंको दें सर्वोच्च प्राथमिकता-महाप्रबन्धक

प्रयागराज मण्डल में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों, रेल परिचालन, संरक्षा एवं यात्री सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे नरेश पाल सिंह द्वारा की गयी। महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने अधिकारियों को रेल परिचालन एवं कार्यों के प्रति पूर्ण जिम्मेदारी और स्वामित्व भाव के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि रेलवे को इस प्रकार संचालित किया जाना चाहिए, जैसे प्रत्येक अधिकारी का अपना प्रतिष्ठान हो। उन्होंने संरक्षा, गतिशीलता, परिचालन दक्षता एवं यात्री सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर विशेष बल दिया।

महाप्रबंधक ने मण्डल को दुर्घटनामुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए संरक्षा सम्बंधी सभी पहलुओं पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि लोको पायलटों की ड्यूटी पर जाने से पूर्व संरक्षा सम्बंधी प्रश्नोत्तरी आयोजित करायी जाय तथा इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाय। ब्लाक लेने के समय ही संबंधित लोको की उपलब्धता सुनिश्चित की जाय तथा ब्लाक की अवधि के अनुरूप कार्य शिफ्ट निर्धारित की जाय। उन्होंने ट्रैक पेट्रोलिंग के दौरान पूर्ण संरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने, ओएचई फेलियर की घटनाओं को शून्य तक लाने तथा संरक्षा मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिये। स्टेशन मास्टर कक्षों में यथाशीघ्र सीसीटीवी कैमरे लगाने पर भी जोर दिया। महाप्रबंधक ने स्पष्ट कहा कि उन्हें केवल मरम्मत नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण पुनःकार्य के माध्यम से स्थायी समाधान चाहिए। उन्होंने सभी शाखा अधिकारियों को संबंधित ठेकेदारों के साथ सीधे सम्पर्क एवं समन्वय स्थापित कर कार्यों की नियमित निगरानी करने की सलाह दी। उन्होंने आगामी मानसून से पहले सभी स्टेशनों एवं प्लेटफार्मों की ड्रेनेज व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा जल निकासी की समस्याओं का स्थायी समाधान करने पर विशेष बल दिया। महाप्रबंधक ने रेल परिसरों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश दिया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज मंडल रजनीश अग्रवाल, अपर मंडल रेल प्रबंधक, सामान्य दीपक कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक-परिचालन एम.एम. वारिस, अपर मंडल रेल प्रबंधक-इंफ्रा धनंजय कुमार सिंह, सचिव महाप्रबंधक अखिल शुक्ला सहित मंडल के अन्य शाखाधिकारी उपस्थित रहे।

अभिलेख-चित्र प्रदर्शनीसे जाना लौहपुरुषका संघर्ष



महात्मा गांधी मार्ग स्थित क्षेत्रीय अभिलेखागार में शुक्रवार को सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती समारोह 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के मौके पर लौह पुरूष पर आधारित अभिलेख एवं चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने देश के प्रति लौहपुरुष के संघर्ष का जाना। सर्वप्रथम सरदार बल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किया गया। तदक्रम में प्रदर्शनी का शुभारम्भ पूर्व बन्दोबस्त अधिकारी दयानन्द सिंह चौहान पक किया। इस मौके पर रवीन्द्र कुमार, सहायक निदेशक पत्राचार शिक्षा संस्थान, प्रियंका यादव, स्मृति शुक्ला, कीर्ति पटेल, दीपिका सिंह, रीता यादव, सना सिद्दीकी, राज्यश्री पाण्डेय, मुक्ता त्रिपाठी, योगिता राय प्रवक्ता पत्राचार संस्थान तथा छात्र-छात्राओं आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संयोजन राकेश कुमार वर्मा क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी ने किया।

शोधमें साहित्यिक चोरी पकड़नेमें डिजिटल तकनीक कारगर

१५ प्रतिशतसे अधिक साहित्यिक चोरी मिलनेपर स्वीकार नहीं होगी पीएचडी थीसिस

शोध और प्रकाशन के क्षेत्र में साहित्यिक चोरी रोकने के लिए डिजिटल तकनीक और विशेष सॉफ्टवेयर कारगर साबित हो रहे हैं। यूजीसी के मानकों के अनुसार, पीएचडी थीसिस में १५ प्रतिशत से अधिक साहित्यिक चोरी पाए जाने पर उसे स्वीकार नहीं किया जाता। अब शोधगंगा पोर्टल पर थीसिस अपलोड होने के साथ ही सॉफ्टवेयर के माध्यम से साहित्यिक चोरी की जांच भी की जा रही है। यह बातें इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बीके सिंह ने शुक्रवार को मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग की शोध सभा की ओर से आयोजित विशेष व्याख्यान में कहीं। 'शोध तथा प्रकाशन नैतिकता : चुनौतियां और चेतना' विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सूचना क्रांति के दौर में शोध में साहित्यिक चोरी और सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी की चुनौती बढ़ी है। इससे निपटने में डिजिटल तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. आलोक प्रसाद ने बताया कि विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए दुनिया के किसी भी कोने से ऑनलाइन शोध संसाधनों और जे-स्टोर का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विभाग ने वर्तमान सत्र से परास्नातक के विद्यार्थियों के लिए शोध प्रबंध (डिसर्टेशन) का पाठ्यक्रम शुरू किया है। इससे विद्यार्थियों को पीएचडी से पहले ही शोध प्रस्ताव तैयार करने और शोध प्रबंध लिखने का अनुभव मिलेगा। संचालन शोध सभा के समन्वयक डा. पीएस हरीश ने किया। इस अवसर पर रजनी सिंह, अंशिका कुमारी, सूर्यांश प्रताप सिंह, अंकित तिवारी, अर्थ, लवकुश, शिवा यादव, चंदन कुमार और अंजलि गुप्ता सहित बड़ी संख्यामें विद्यार्थी मौजूद रहे।

पीजी महिला छात्रावास जर्जर बारिशमें गिरनेकी आशंका

अनदेखी, छात्रावास गिरानेका डेढ़ वर्ष पहले हुआ था आदेश

स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल परिसर में स्थित पीजी महिला छात्रावास की असुरक्षित घोषित के बाद उसे गिराने का निर्णय डेढ़ साल पहले ही ले लिया गया था।हलांकि जर्जर महिला छात्रावास अभी तक नहीं गिराया जा सका। पिछले दो दिनों से लगतार हो रही बरसात के कारण इस भवन के गिरने का खतरा लगातार बना हुआ है। ४८ कमरों के छात्रावास में २४ विवाहित महिलाओं के हैं। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज प्रशासन की ओर से (मार्च २०२५) इसे जर्जर घोषित कर गिराने का आदेश जारी किया गया था। छात्रावास गिराने का टेंडर भी जारी हो चुका था। छात्रावास गिराए जाने के लिए पूर्व प्राचार्य डा. वत्सला मिश्रा की ओर से छात्रावास में रहने वाली पीजी छात्राओं को कमरे खाली करने का आदेश भी दिया गया था। प्रशासन की ओर से जून २०२५ से लेकर २३ अप्रैल २०२६ तक तीन से चार बार नोटिस जारी कर कमरा खाली करने का आदेश दिया गया बावजूद पूरी तहर से परिसर खाली नहीं हो सका।

सेवानिवृत्त रेलकर्मियोंके लिए मेगा शिविर चारको

उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल द्वारा सेवानिवृत्त रेलकर्मियों की सुविधा एवं उनके डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने के उद्देश्य से चार नवम्बर को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित मंडल सभागार में राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र मेगा शिविर का आयोजन किया जायेगा। यह शिविर पूर्वाह्न दस बजे से सायं पांच बजे तक आयोजित होगा।

इस शिविर में विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे, जो सेवानिवृत्त रेलकर्मियों का डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाने में सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त शिविर में उमंग ऐप डेस्क, आधार कार्ड डेस्क एवं एचआरएमएस डेस्क भी स्थापित किए जाएंगे, जहां सेवानिवृत्त रेलकर्मियों को संबंधित सेवाएं एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध करायी जाएगी।

सेवानिवृत्त रेलकर्मियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था भी की गई है। साथ ही डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र एवं अन्य संबंधित कार्यों में आने वाली समस्याओं का मौके पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर भी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।

परिचालनिक कारणसे कई गाड़ियोंके नम्बरमें परिवर्तन

रेल प्रशासन द्वारा परिचालनिक कारण से कई गाड़ियों के गाड़ी नंबर में परिवर्तन किया गया है। यह परिवर्तन ०१ जनवरी २०२७ से प्रभावी रहेगा। गाड़ी संख्या २२१७७ छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस -बनारस महानगरी का संशोधित गाड़ी नंबर ११०९३ होगा। इसी क्रम में गाड़ी संख्या २२१७८ बनारस-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस महानगरी का संशोधित गाड़ी नंबर ११०९४ होगा। गाड़ी संख्या २२१२९ लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट तुलसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस का संशोधित गाड़ी नंबर ११०६५ होगा। गाड़ी संख्या २२१३० अयोध्या कैंट -लोकमान्य तिलक टर्मिनस तुलसी का संशोधित गाड़ी नंबर ११०६६ होगा। गाड़ी संख्या १२१६७ लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस का संशोधित गाड़ी नंबर ११०६७ होगा। गाड़ी संख्या १२१६८ बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस का संशोधित गाड़ी नंबर ११०६८ होगा।

कई गाड़ियोंका आंशिक निरस्तीकरण, री शेड्यूलिंग एवं रेग्युलेशन

रेल प्रशासन द्वारा प्रयागराज मंडल के अंतर्गत कानपुर अनवरगंज स्टेशन पर इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग प्रणाली की कमीशनिंग हेतु किये जा रहे कार्य के कारण गाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण-ओरिजिनेशन, री शेड्यूलिंग एवं रेग्युलेशन करने का निर्णय लिया गया है। जिन गाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण-ओरिजिनेशन किया गया है उनमें गाड़ी संख्या- ६४६०७ वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी -कानपुर सेन्ट्रल दैनिक गोविन्दपुरी ३१ अक्तूबर, दो और चार नवम्बर, गाड़ी संख्या-५५३४८ फर्रुखाबाद-कानपुर अनवरगंज दैनिक रावतपुर ३१ अक्तूबर, दो और तीन नवम्बर, १५०३७ कानपुर अनवरगंज - कासगंज दैनिक रावतपुर, १५००४ गोरखपुर -कानपुर अनवरगंज दैनिक कानपुर सेन्ट्रल तीन नवम्बर और गाड़ी संख्या-१५००३ कानपुर अनवरगंज - गोरखपुर दैनिक कानपुर सेन्ट्रल चार नवम्बर को निरस्त रहेगी। इसी क्रम में जिन गाड़ियों की री शेड्यूलिंग की गयी है उनमें गाड़ी संख्या- ६४६४६ कानपुर सेन्ट्रल ५० मिनट ३१ अक्तूबर, दो और तीन नवम्बर, ९० मिनट चार नवम्बर, गाड़ी संख्या-५४१५५ कानपुर सेन्ट्रल-कानपुर अनवरगंज ९०मिनट ३१ अक्तूबर, दो और तीन नवम्बर, १८० मिनट चार नवम्बर, गाड़ी संख्या-१२५३५ लखनऊ-रायपुर सप्ताह में दो दिन ६० मिनट दो नवम्बर गाड़ी संख्या- १२००३ लखनऊ -नई दिल्ली दैनिक ४० मिनट चार नवम्बर और गाड़ी संख्या-१५०८४ फर्रुखाबाद -कानपुर अनवरगंज दैनिक ६० मिनट चार नवम्बर को रीशेड्यूल रहेगी। वहीं ११ गाड़ियों का रेग्युलेशन किया गया है।

भगवान श्रीरामके जीवनके प्रमुख प्रसंग मंचपर हुए जीवंत



उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र में आयोजित हो रहे दीपावली शिल्प मेले की सांस्कृतिक संध्या शुक्रवार को रामायण की गाथा, बिरहा की मिठास और शास्त्रीय सुरों के नाम रही। सांस्कृतिक संध्या में परम्परा आर्ट्स, चंडीगढ़ की ओर से प्रस्तुत 'श्री रामलीला-गाथा मर्यादा की' का मंचन किया गया। जय प्रकाश भट्ट द्वारा लिखित और अभिषेक शर्मा के निर्देशन में कलाकारों ने सशक्त अभिनय, संवाद और संगीत के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन के प्रमुख प्रसंगों को मंच पर जीवंत कर दिया। रामायण के विभिन्न प्रसंगों के साथ राम-रावण युद्ध के दृश्यों ने दर्शकों में विशेष उत्साह भर दिया। प्रस्तुति के माध्यम से सत्य, धर्म, त्याग और मर्यादा का संदेश दिया गया। इसके बाद गोविन्द पाल एवं दल ने बिरहा गायन की शानदार प्रस्तुति दी। उन्होंने 'जीन छनन-छनन छनकावा, मोर जियरा तरसावा' सुनाकर लोकसंगीत की मिठास घोली। वहीं ओंकार सिंह एवं दल ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति से सांस्कृतिक संध्या को सुरमयी बना दिया। उन्होंने 'मेरा मन बांध लीनो रे, बस में कीनो चतुर सुगढ़ सांवरो', 'तू जग में शरम रख मेरी' और 'सांवरी सुरतिया देखी' की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। इसके बाद चंद्रवती शुक्ला ने लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति से कार्यक्रम में लोकसंस्कृति के रंग बिखेरे।

संभागीय परिवहन कार्यालयमें परिवहन मेला आज

एक ही छतके नीचे मिलेंगी आरटीओकी सभी सेवाएं

आम जनता और वाहन स्वामियों को परिवहन विभाग से जुड़ी सभी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए ३१ अक्टूबर शनिवार को परिवहन मेला लगेगा। संभागीय परिवहन कार्यालय में एक ही स्थान पर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अधिकारी और कर्मचारी उप